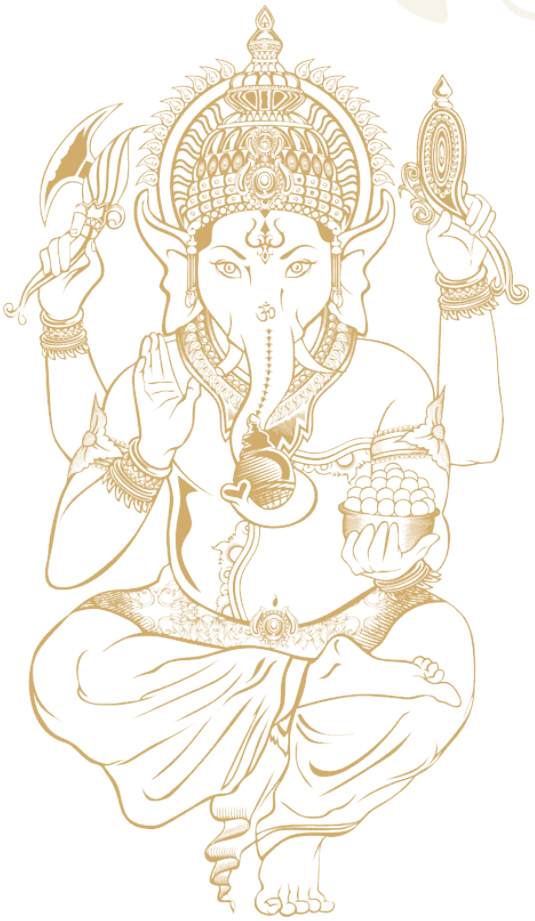

Mr.

12 Nov 2025

11:22 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121184102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/11/2025**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**23:22:00 घंटे**
इष्ट	41:40:40 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:00:52 घंटे
वेलान्तर	00:15:54 घंटे
साम्पातिक काल	02:29:19 घंटे
सूर्योदय	06:41:44 घंटे
सूर्यास्त	17:28:48 घंटे
दिनमान	10:47:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	26:22:52 तुला
लग्न के अंश	19:59:47 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ब्रह्म
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	19:59:47	307:45:31	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	---
सूर्य			तुला	26:22:52	01:00:22	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	नीच राशि
चंद्र			सिंह	02:34:25	12:53:23	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	वृश्चि	11:41:21	00:43:28	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	स्वराशि
बुध	व		वृश्चि	11:57:43	00:28:21	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		कर्क	00:55:53	00:00:13	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	13:02:57	01:15:14	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	01:08:57	00:01:37	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु			कुंभ	21:55:16	00:00:25	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु			सिंह	21:55:16	00:00:25	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	05:35:30	00:02:28	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:22:00	00:00:54	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:21:25	00:00:50	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मेष	15:30:51	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:10

लग्न-चलित

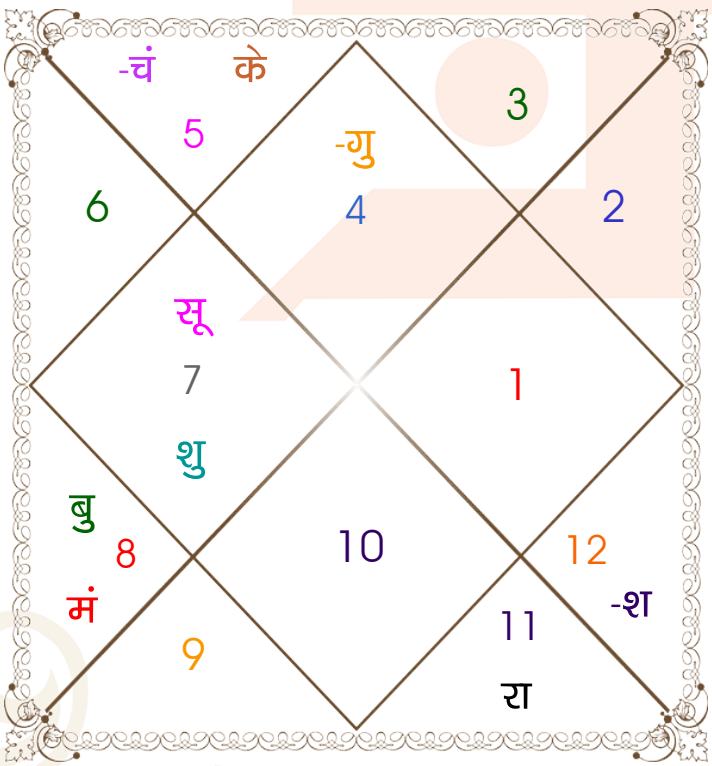

चन्द्र कुंडली

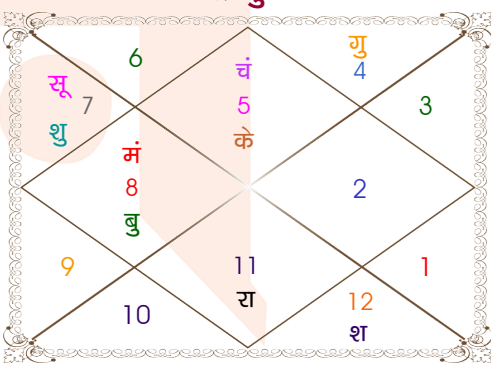

नवमांश कुंडली

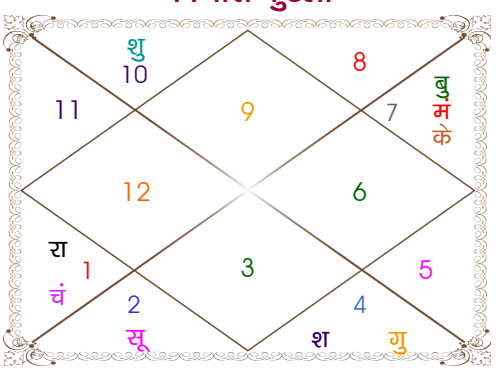

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 7 मास 23 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/11/2025		08/07/2031		08/07/2051		07/07/2057		08/07/2067	
08/07/2031		08/07/2051		07/07/2057		08/07/2067		07/07/2074	
	12/11/2025	शुक्र	06/11/2034	सूर्य	25/10/2051	चंद्र	08/05/2058	मंगल	04/12/2067
शुक्र	02/02/2026	सूर्य	06/11/2035	चंद्र	25/04/2052	मंगल	07/12/2058	राहु	21/12/2068
सूर्य	10/06/2026	चंद्र	07/07/2037	मंगल	31/08/2052	राहु	07/06/2060	गुरु	27/11/2069
चंद्र	09/01/2027	मंगल	06/09/2038	राहु	25/07/2053	गुरु	07/10/2061	शनि	06/01/2071
मंगल	07/06/2027	राहु	06/09/2041	गुरु	14/05/2054	शनि	08/05/2063	बुध	03/01/2072
राहु	25/06/2028	गुरु	07/05/2044	शनि	26/04/2055	बुध	06/10/2064	केतु	31/05/2072
गुरु	01/06/2029	शनि	08/07/2047	बुध	01/03/2056	केतु	07/05/2065	शुक्र	01/08/2073
शनि	10/07/2030	बुध	08/05/2050	केतु	07/07/2056	शुक्र	06/01/2067	सूर्य	06/12/2073
बुध	08/07/2031	केतु	08/07/2051	शुक्र	07/07/2057	सूर्य	08/07/2067	चंद्र	07/07/2074

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
07/07/2074		07/07/2092		08/07/2108		09/07/2127		08/07/2144	
07/07/2092		08/07/2108		09/07/2127		08/07/2144		00/00/0000	
राहु	20/03/2077	गुरु	25/08/2094	शनि	12/07/2111	बुध	04/12/2129	केतु	04/12/2144
गुरु	13/08/2079	शनि	07/03/2097	बुध	21/03/2114	केतु	02/12/2130	शुक्र	13/11/2145
शनि	19/06/2082	बुध	13/06/2099	केतु	30/04/2115	शुक्र	01/10/2133		00/00/0000
बुध	06/01/2085	केतु	20/05/2100	शुक्र	29/06/2118	सूर्य	08/08/2134		00/00/0000
केतु	24/01/2086	शुक्र	19/01/2103	सूर्य	11/06/2119	चंद्र	07/01/2136		00/00/0000
शुक्र	24/01/2089	सूर्य	07/11/2103	चंद्र	10/01/2121	मंगल	04/01/2137		00/00/0000
सूर्य	19/12/2089	चंद्र	08/03/2105	मंगल	18/02/2122	राहु	24/07/2139		00/00/0000
चंद्र	19/06/2091	मंगल	12/02/2106	राहु	25/12/2124	गुरु	29/10/2141		00/00/0000
मंगल	07/07/2092	राहु	08/07/2108	गुरु	09/07/2127	शनि	08/07/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 7 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगे।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगे। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकते हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगे।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करते हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाते हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहते परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें। आपको मध्यपान की प्रवृति अर्थात् आदतों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकते हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल

है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकते हैं। आप गले के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकते है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।